बिगड़ी बना दो संतोषी माता

बिगड़ी बना दो संतोषी माता
कुछ तोह करो माँ संतोषी माता
अर्ज सुनो मोरि संतोषी माता
विपदा ऐसी आन पड़ी हैं
डसती हैं यह बैरण रतिया
सूनी सूनी सेज पड़ी है
किरपा करो दुःख यह
हरो मदत करो
बिगड़ी बना दो संतोषी माता

ॐ शान्ति शनी नमः

दुःख तोह लगाये
बैठे हैं दिन रात
दर्द से मेरा कहो
कैसा हैं नाता -2
कोई नहीं हैं पास
बस एक तेरी आस
हमको दूजा यहाँ
कोई न भाता
ओ माँ मेरी निर्बल मनन को
तुम बल डोरी तुम बल डोरी
किरपा करो दुःख यह
हरो मदत करो
बिगड़ी बना दो संतोषी माता
विपदा ऐसी आन पड़ी हैं
डसती हैं यह बैरण रतिया
सूनी सूनी सेज पड़ी है
किरपा करो दुःख यह
हरो मदत करो
बिगड़ी बना दो संतोषी माता.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22720/title/bigdi-bana-do-santoshi-mata

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |